

हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज

तारीख
हुकम

श्रीगणेश

पत्रावली पेश हुई। वादी वकील मसुदा
आपत्तय मसुदा में वादी वकील व वादी को
शब्द² का तीन बार आवाज लगाई गई।
परन्तु उनकी ओर से कोई भी कार्य नहीं
उपासीत नहीं हुआ। अतः वादी का वाद
अदम्य पेशी अदम्य काजरी में शहरीज किया
जाता है।

पत्रावली केवल सुधार होकर दायर
करा दी। संख्या में अमर है।

[Handwritten Signature]

